राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • सोमवार • 21 नवम्बर • 2022

'बरसीम चारा की पाचकता व पौष्टिकता बढ़ायें किसान'

बरसीम चारे की खेती व (इनसेट) कृषि सलाहकार प्रो पीके उपाध्याय।

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डीआर सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रो.पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्रोत है।

इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक... 12

बाबा विश्वनाथ और माता अन्नपूर्णा के दरबार में... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 41
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
सोमवार | 21 नवम्बर, 2022

बरसीम के गुणों के बारे में दी जानकारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में रविवार को डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. पी.के. उपाध्याय ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है तथा इसकी पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। उन्होंने बताया कि इसमें पाए जाने वाले कैल्शियम और फॉस्फोरस के कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने कहा कि बरसीम की उपलब्धता अधिक होने के कारण किसान पशु को ज्यादा खिला देते हैं जिसके कारण पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए किसान बरसीम को सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ। उन्होंने बताया कि बरसीम की बुआई के समय इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसों के बीज मिलाकर बोने पर अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होता है जिससे पशु को अफारा रोग की समस्या से बचाया जा सकता है।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार 20 नवंबर 2022 | अंक - 306

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY E

बरसीम चारा की पाचकता एवं पौष्टिकता बढ़ायें किसान, स्वस्थ रहेंगे पशुः डॉ. पी के उपाध्याय

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर जी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है। किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं। बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफरा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ या बरसीम को चुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और सरसो के बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफरा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।

दि ग्राम टुडे
सोमवार,21 नवम्बर,2022 पेज–7

बरसीम चारा की पाचकता एवं पौष्टिकता बढ़ायें किसान, स्वस्थ रहेंगे पशु.. डॉ पीके उपाध्याय

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।
(सतेंद्र कुमार) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है । इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली–दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है स किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं द्य बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ स बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो के बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।

5:18 PM

20 Nov DTR.pdf

18

कानपुर, रविवार 20 नवंबर 2022

कानपुर न्यूज

www.dinartimes.in

DT दीनार टाइम्स

बरसीम चारा की पाचकता एवं पौष्टिकता बढ़ायें किसान, स्वस्थ रहेंगे पशु

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है । इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है द्य किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं 7 बरसीम

अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ द्य बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो के बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी ।

अमर उजाला कानपुर 21/11/2022

सूखे चारे के साथ खिलाएं बरसीम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डेयरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के डॉ. पीके उपाध्याय ने दुधारू पशुओं के लिए बरसीम को बेहतर चारा बताते हुए एडवाइजरी जारी की है। बताया कि बरसीम में रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं। दुधारू पशुओं को खली-दाना की आवश्यकता कम पड़ती है। बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएं। इससे पशु रोगों से दूर रहेंगे और दूध अधिक देंगे। (संवाद)

बरसीम चारे की पौष्टिकता बढ़ायें किसान, स्वस्थ रहेंगे पशु

❑ चारे में कैल्शियम और फास्फोरस की मात्रा रहती है अधिक

प्रो. डॉ पीके उपाध्याय

कानपुर, 20 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह की ओर से निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रो. डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है,

जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है या किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं। बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ।बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो के बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।